



# आरत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88 ]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 20, 1999/आश्विन 28, 1921

No. 88 ]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 20, 1999/ASVINA 28, 1921

महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 1999

फा. सं. टीएमपी/2/98-पीपीटी.—महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार पारादीप पत्रन न्यास में उपहार कार्गों के लिए निःशुल्क दिवसों को कर्मांकरता है।

(मामला सं० टीएमपी/2/98-पीपीटी)

मैसर्स मार्कों शिपिंग कं० (प्रा०) लि०

— — —

आवेदक

बनाम

पारादीप पत्रन न्यास

— — —

गैर-आवेदक

आदेश

(सितम्बर, 1999 के 30वें दिन को पारित किया गया)

यह मामला पारादीप पत्रन में उपहार कार्गो से संबंधित निःशुल्क दिवसों की समीक्षा के लिए मैसर्स मार्कों शिपिंग कं० (प्रा०) लि० द्वारा किए गए अभ्यावेदन से संबंधित है। इस समय धर्मार्थ संगठनों को परेषित उपहार कार्गो के लिए पारादीप पत्रन में निःशुल्क समय 45 दिन तक अनुमत्य

(1)

है। यह सूचित किया गया है कि इसके परिणामस्वरूप पत्तन शेड खचाखच भर जाते हैं और कार्गो हटाने के संबंध में धर्मार्थ संगठनों में आत्मसंतोष की भावना रहती है तथा खाद्यान्न कार्गो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। कंपनी ने सूचित किया है कि अन्य पत्तनों में उपहार कार्गो के लिए निःशुल्क समय दो दिन से लेकर सात दिन तक होता है।

2. इस संबंध में पारादीप पत्तन न्यास (पीपीटी) और उत्कल वाणिज्य और उद्योग मंडल, कटक, उड़ीसा से टिप्पणियां मांगी गई थीं। जबकि उत्कल वाणिज्य और उद्योग मंडल (उत्कल सीसीआई) से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ, पीपीटी ने उल्लेख किया है कि विलम्ब शुल्क प्रभारों में छूट संबंधी जल-भूतल परिवहन मंत्रालय से प्राप्त और बाद में पीपीटी बोर्ड द्वारा अनुमोदित दिशानिर्देशों के अनुसार धर्मार्थ संगठनों को परेषित किए जाने वाले उपहार कार्गो के लिए 45 दिन तक का निःशुल्क समय अनुमत्य है। यह भी उल्लेख किया गया है कि केयर इंडिया द्वारा आयातित केयर कार्गो निःशुल्क उपहार कार्गो हैं और बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा धाय माताओं को पूरक आहार के लिए उड़ीसा सरकार को सुपुर्द किए जाते हैं। यदि निःशुल्क समय कम किया जाता है, तब विलम्ब शुल्क भुगतान का भार अंततः उड़ीसा सरकार को वहन करना पड़ेगा।

3. इस मामले में 27 अगस्त, 99 को पीपीटी में एक संयुक्त सुनवाई आयोजित की गई थी। संयुक्त सुनवाई के दौरान आवेदक ने उल्लेख किया कि उपहार कार्गो के लिए दिया गया 45 दिन का निःशुल्क समय बहुत अधिक है, कार्गो की तीव्र निकासी न होने के कारण अनुवर्ती शिपमेंट से माल उतारने में (परिहार्य) प्रचालनात्मक कठिनाइयां आती हैं और इसलिए इस समय में कमी करने का मामला बनता है।

4. पीपीटी ने उल्लेख किया है कि वे भी 45 दिन की “निःशुल्क अवधि” को अधिक मानते हैं। इस मामले में भारत सरकार के कोई आदेश नहीं हैं, यह 45 दिन की “निःशुल्क अवधि” राज्य सरकार के अनुरोध पर निर्धारित की गई है, जिसके लिए उपहार आपूर्तियां प्राप्त होती हैं। इस पत्तन को इस बात पर कोई आपत्ति नहीं होगी, यदि टीएएमपी स्थिति की समीक्षा करता है और अपेक्षित “निःशुल्क अवधि” का तर्कसंगत पुनर्मूल्यांकन करता है।

5. यह उल्लेख करना समीचीन होगा कि 45 दिन तक बढ़ाये जाने से पूर्व पीपीटी में “निःशुल्क अवधि” पहले भी 30 दिन थी।

6. परिणामतः और ऊपर दिए गए कारणों को देखते हुए यह प्राधिकरण एतदद्वारा पीपीटी में उपहार कार्गो के लिए “निःशुल्क अवधि” को 45 दिन से कम करके 30 दिन करता है।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन/3/4/असाधारण/143/99]

**TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th October, 1999

**F. No. TAMP/2/98-PPT.**—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trust Act, 1963 (Act 38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby reduces the free day for gift cargoes at the Paradip Port Trust as in the Order appended hereto.

**Case No. TAMP/2/98-PPT**

<b>M/s. Marco Shipping Co. (P) Ltd.</b>		<b>Applicant</b>
---	--	------------------

V/s

<b>The Paradip Port Trust</b>		<b>Non-Applicant</b>
-------------------------------	--	----------------------

**ORDER**

(Passed on this 30th day of September 1999)

This case relates to a representation made by M/s. Marco Shipping Co. (P) Ltd., for review of free days permitted for gift cargoes at Paradip Port. At present the free time for the gift cargoes consigned to charitable organisations is allowed upto 45 days at the Paradip Port. This is reported to result in the Port sheds getting choked and in a sense of complacency in the charitable organisations to remove the cargo; and, also in the food cargo getting damaged. The company have stated that the free time for gift cargo at the other ports range from two days to seven days.

2. Comments were called from the Paradip Port Trust (PPT) as well as the Utkal Chamber of Commerce & Industry, Cuttack, Orrisa. While no response was received from the Utkal CCI, the PPT have stated that a free time upto 45 days for gift cargoes consigned to charitable organisations are allowed as per the guidelines for remission of demurrage charges received from the MOST and subsequently approved by the PPT Board. It has also been stated that CARE cargo are free gift cargo imported by CARE INDIA and delivered to Government of Orissa for supplementary nutrition to children, pregnant women and nursing mothers. In case, free time is reduced, ultimately it will be the Government of Orissa who will bear the burden of demurrage payment.

3. A joint hearing in this case was held at the PPT on 27 August 99. During the joint hearing, the applicant stated that the free days of 45 days given for gift cargo was too long a period; lack of quick evacuation of cargo caused (avoidable) operational problems for off-loading subsequent shipments; and, hence, there was a case for its reduction.

4. The PPT have stated that they too considered the 45-days 'free period' to be too long. There is no order of the Central Government on this issue; the 45-days 'free period' has been fixed at the request of the State Government for whom the gift supplies are received. The port will have no objection if the TAMP were to review the position and make a reasonable reassessment of the 'free period' required.

5. It is relevant to note that even earlier the "free period" at the PPT was 30 days before it was raised to 45 days.

6. In the result, and for the reasons given above the Authority hereby reduces the 'free days' for gift cargoes at the PPT from 45 days to 30 days.

S. SATHYAM, Chairman  
[Advt./III/IV/Exty./143/99]